

## श्री बंसीधर महोत्सव

### चर्चा में क्यों?

3 मई, 2023 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के गढ़वा ज़िला के बंशीधर नगर में दो दविसीय राजकीय श्री बंसीधर महोत्सव का शुभारंभ किया।

### प्रमुख बडि

- गौरतलब है कि बंशीधर मंदिर में राधा एवं कृष्ण की साढ़े चार फीट ऊँची और 1280 किलो वज़न की स्वर्ण नरिमति एक अत्यंत मोहक प्रतमि वरिजमान है। यह अद्भुत प्रतमि भूमि में गड़े शेषनाग के फन पर नरिमति चौबीस पंखुडियों वाले वशाल कमल पर वरिजमान है।
- बंशीधर नगर के राज परिवार के संरक्षण में यह बंशीधर मंदिर देश-वदिश के पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहा है, कई दशकों से यहाँ प्रतविरष फाल्गुन महीने में आकर्षक एवं वशाल मेला लगता आ रहा है।
- मंदिर के प्रस्तर लेख और उसके पुजारी के अनुसार संवत् 1885 में बंशीधर नगर के महाराजा भवानी सहि की वधिवा रानी शविमानी कुँवर ने लगभग बीस किलोमीटर दूर शविपहरी पहाड़ी में दबी पड़ी इस कृष्ण प्रतमि के बारे में स्वप्न देखकर जाना।
- कुछ इतहिासकार ऐसा अनुमान लगाते हैं कि यह प्रतमि मराठों के द्वारा बनवाई गई होगी, जिन्होंने वैष्णव धर्म का काफी प्रचार किया था और मूरतियों भी बनवाई थीं, मुगलों के आक्रमण से बचाने के लिये मराठों ने इसे शविपहरी पहाड़ी की कंदराओं में छुपा दिया था।
- इसी वर्ष श्री बंशीधर महोत्सव को राजकीय महोत्सव का दर्जा मिला है।
- उल्लेखनीय है कि 1960-70 के दशक में बरिला ग्रुप ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था। वर्तमान में भी बंशीधर की प्रतमि कला के दृष्टिकोण से सुंदर एवं अद्वितीय है और बना कसी रसायन के प्रयोग या अन्य पॉलिशि के प्रतमि की चमक पूर्ववत् है।
- गौरतलब है कि गढ़वा ज़िला झारखंड राज्य के उत्तर पश्चिम में स्थिति है और बहिर का रोहतास, उत्तर प्रदेश का सोनभद्र और छतीसगढ़ के सरगुजा ज़िलों की सीमाएँ इससे लगती हैं। इसलिये इसे कभी गेटवे आफ छोटानागपुर कहा जाता था।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 739 करोड़ 22 लाख 64 हजार 792 रुपए की लागत से 60 योजनाओं की आधारशला रखी। वहीं, 57 करोड़ 55 लाख 22 हजार 933 रुपए की लागत से 14 योजनाओं का उद्घाटन किया। जनि महत्त्वपूर्ण योजनाओं का उद्घाटन संपन्न हुआ, उनमें भंडरिया, रंका, धुर्की, चनियौं, रमकंडा और नगर उंटारी प्रखंड कार्यालय परसिर का वकिस तथा बीडीओ, सीओ और अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों का नवनरिमति आवास तथा नगर उंटारी में नवनरिमति गेस्ट हाउस और वभिनि नदियों पर नरिमति पाँच पुल शामिल हैं।



PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/shree-bansidhar-festival>

